Degree (H) P-II

B.A part-II (sub)

①

Dr. Umesh mallick
Assit prof-(Guest faculty)
Dept - History.
G.D.C Madhuban.
pakridayal.

बाबर का जीवन वृतांत :-

जहीरूद्दीन मुहम्मद (बाबर) का जन्म 14 फरवरी 1483 ई० में मध्य ऐशिया के एक छोटे से राज्य फरगना में हुआ था। उसके पिता का नाम शेख मिर्जा (फरगना) एवं माता का नाम कुतलग निगार खानम था। वह तैमूर और चंगेज खाँ का वंशज था। जब 11 वर्ष 4 मास का ही था, उसके पिता का देहान्त हो गया था। तत्पश्चात बाबर राजा बना। उसके चाचा एवं भाईयों ने तरूण अवस्था और अनुभवहीनता के कारण चारों ओर से आक्रमण कर दिया। इस प्रकार 1497 से 1504 ई० तक बाबर को निर्वासित जीवन व्यतीत करना पड़ा तथा दर-दर की ठोकरें खानी पड़ी। अन्त में वह निराश होकर काबुल चला गया। तथा 1505 ई० में वह काबुल पर अधिकार कर लिया। इसके बाद भारत पर विजय प्राप्त करने के लिए

प्रयत्नशील रहा, किन्तु सगे संबंधियों एवं अपने भाइयों के विरोध के कारण सफल नहीं हो रहा था। किन्तु आगे चलकर सब ठीक हो गया। भारत पर उस समय इब्राहिम लोदी का शासन था जो कि एक निर्बल शासक था उसके अविवेकपूर्ण कार्यों एवं कठोर नीति के कारण राज्य के विभिन्न भागों में विद्रोह हो रहा था। भारत के छोटे-छोटे राज्य आपस में झगड़ रहे थे। दिल्ली, पंजाब, बंगाल, जौनपुर, मेवाड़, मालवा, गुजरात, कश्मीर, उड़ीसा आदि उलझे हुए थे।

21 फरवरी 1526 ई० को बाबर ने इब्राहीम लोदी पर आक्रमण कर दिया। इब्राहीम पराजित हुआ और मारा गया। यह घटना मध्यकालीन भारतीय इतिहास की एक युगान्तकारी घटना है। जिसे पानीपत का प्रथम युद्ध (21 फरवरी 1526) भी कहा जाता है। परिणाम स्वरूप बाबर दिल्ली का सुल्तान बन गया। डॉ० ईश्वरी प्रसाद के शब्दों में "लोदी वंश की सत्ता टूटकर नष्ट हो गई और हिन्दुस्तान का प्रभुत्व तुर्की के हाथों में चला गया। फलस्वरूप मुगल वंश की स्थापना हुई।

समाप्त